OM-8- 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 28/06/2021 11:25 AM Page 3

समय का संकेत

जो स्टूडेंट समय को गफलत और गलतियों में बर्बाद करता है उन्हें परीक्षा के वक्त कीमत चुकानी ही पड़ती है। समय पर, समयोचित कार्य न करने पर उसे खामियाजा भुगतना ही पड़ता है।

खुद को बचाएं गलतियों और गफलत से...

ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

परमात्मा कहते हैं कि हाहाकार के समय मन विचलित होगा, इन्द्रियाँ भी चंचल होंगी। वह आख़िरी परीक्षा होगी। छिपे हुए, दबे हुए पुराने संस्कार उछलेंगे। आपको पता नहीं रहेगा और आप आश्चर्य खायेंगे कि यह मेरे अन्दर हैं! अगर पहले से उन पुराने संस्कारों को जड़ से समाप्त नहीं किया होगा तो अन्तिम समय बाहर निकलेंगे। जिनकी दृष्टि-वृत्ति खराब है और भटक रही है उन अशुद्ध आत्माओं का क्या हाल होगा? वे भी दूसरों के अन्दर प्रवेश कर अपने विकारों को प्रकट करेंगी, अपनी मनमानी करेंगी। बाबा ने कहा है, उस समय पाँच विकार और पाँच तत्व दोनों अपनी चरम सीमा पर रहेंगे। तब आप क्या कर सकेंगे? उस समय आपकी स्थिति ऐसी होनी चाहिए कि आपको देखकर उन अशुद्ध आत्माओं को आपका शरीर दिखाई नहीं पड़े, बदले में आपमें प्रकाश ही प्रकाश, नूर ही नूर दिखाई पड़े, आपकी फ़रिश्तापन की अवस्था दिखाई पड़े। अगर ऐसा अनुभव उनको नहीं होगा तो आप ख़ुद भटक जायेंगे। उन आत्माओं को अपनी शक्ति से शान्ति देना और मुक्त करना तो दूर रह गया, खुद ही उनके प्रभाव में आ जायेंगे। तो हमने इतने साल तक बाबा के बच्चे बनकर, बाबा का अमूल्य ज्ञान सुनकर क्या किया, क्या सार्थक हुआ? इसलिए बाबा कहते हैं, हे बच्चे, अभी का ही समय है, अभी पुरुषार्थ करो। बच्चे, तुम मेरे घर के चिराग हो, तुम मेरे लाडले हो, तुम पर मुझे बहुत उम्मीदें हैं। मैं तुम्हारे सिर पर ताज देखता हूँ, तुम इस मानव वंशवृक्ष के पूर्वज और पूज्य हो। बाबा कहते हैं, अभी से अभ्यास करो एकनामी और एकॉनामी बनने का क्योंकि आगे जाकर खाने-पीने-पहनने के लिए कुछ नहीं मिलने वाला है। अभी से एकोनामी बनकर रहने का अभ्यास करो। बीच-बीच में कुछ नहीं मिलता तो भी संकल्प नहीं चलाओ। उतना ही नहीं अगर दिन में आप तीन बार, चार बार खाते हो तो एक बार, दो बार खाने का अभ्यास करो, कभी-कभी कुछ नहीं खाने की प्रैक्टिस करो। जब अन्त में कुछ नहीं मिलने वाला होगा उस समय काम आयेगा। बाबा कहते हैं अन्तिम पेपर में तन की परीक्षा होगी। अभी से देह से न्यारा होने की प्रैक्टिस नहीं करेंगे तो अन्त में इस परीक्षा में नापास को जायेंगे।

दूसरी परीक्षा होगी तन की बीमारियों से। नये-नये प्रकार की बीमारियाँ आयेंगी और तन को ग्रसित करेंगी। अगर आप ब्रह्मचर्य का पालन करने वाले होंगे, अन्नदोष से मुक्त होंगे और योगयुक्त होकर भोजन करते रहेंगे तो आप इन सब तन की परीक्षाओं में पास हो जायेंगे। बाबा के इन नियमों से हमारे शरीर का शुद्धीकरण होता है, पवित्रीकरण होता है। बाबा की श्रीमत अनुसरण करने में बहुत फ़ायदे हैं, बहुत-से लोग यह नहीं जानते। बाबा के जो नियम हैं वे बहुत वैज्ञानिक और विकसित हैं। बाबा ने हमें साधारण रूप से बताये हैं इसीलिए उनका महत्व बहुत कम भाई -बहनें जानते हैं। जैसे-जैसे इन्वेन्शन होती रहेंगी, लोग समझते रहेंगे कि शाकाहार से क्या फ़ायदे होंगे, शराब पीने से क्या-क्या नुकसान होंगे। हम जो नियम पालन करते आये हैं उन पर वे लोग अभी इन्वेन्शन करके उसके फ़ायदे लोगों को बता रहे हैं। हम तो कब से उनका पालन करते आ रहे हैं बाबा के कहने अनुसार। इस प्रकार, बाबा ने हमें जो नियम दिये हुए हैं उनमें बहुत फ़ायदे हैं। बाबा ने कहा है, तन की परीक्षा, तन की व्याधि की परीक्षा आयेगी, हरेक को इसको पास करना पड़ेगा, अभी नहीं आयी है तो बाद में आयेगी। अगर हमने शरीर से अलग होने का अभ्यास नहीं किया है, आत्मभिमानी बनने का अभ्यास नहीं किया है तो उनको इस परीक्षा के समय पर बहुत तकलीफ होगी। अगर आप सारी ज़िन्दगी 'मैं आत्मा हूँ, मैं आत्मा हूँ' रटते रहे और अन्तिम समय देह के दुःख-दर्द की तरफ़ ध्यान गया तो आप न्यारे होने के बदले देह में फँस गये। देहभान और देह-अभिमान में आ गये तो ज़िन्दगी भर जो किया था उस पर पानी फिर गया।

बाबा ने कहा है कि जिस प्रकार तन की परीक्षा होगी, उसी प्रकार मन की भी परीक्षा होगी। मन चंचल होगा। मन की जो इन्द्रियाँ हैं वे भी चंचल होंगी, उनसे भी परीक्षा होगी। मन में ऐसे संकल्प आयेंगे, उछलेंगे जो सोचा भी नहीं होगा क्योंकि वे मन में दबे हुए रहते हैं, आपने उनको अंश सहित समाप्त नहीं किया होगा। बाबा ने यह भी बताया है कि आसुरी दुनिया वाले क्या-क्या करेंगे, प्राकृतिक प्रकोप भी क्या-क्या होंगे। अणु-अस्त्र आदि जो तैयार हुए हैं उनसे क्या होगा, यह भी बताया गया है। आपने यज्ञ के इतिहास में सुना या पढ़ा होगा कि जब ब्रह्मा बाबा को साक्षात्कार हुआ विनाश का, तो उनकी आँखों में आँसू आये। उन्होंने कहा कि बस करो, बस करो, भगवन, सुन्दर रूप दिखाओ। यह मुझसे देखा नहीं जाता। कोई भी बाप अपने बच्चों को तड़प-तड़प कर मरते हुए नहीं देख सकता। कितना भी कठोर दिल वाला बाप हो अथवा जीवन भर उस लड़के ने अपने बाप की एक भी बात नहीं मानी हो, कितना भी अनाड़ी, आवारा हो लेकिन जब बच्चे पर ऐसी बीतती है तो उस बाप से भी देखा नहीं जाता। तो परमपिता करुणा के सागर हैं, प्रेम के सागर हैं वो कैसे देख सकेंगे? इसलिए बाबा बार-बार कहते हैं कि बच्चों की मेहनत मुझसे देखी नहीं जाती, मेरे बच्चे होकर धर्मराज से सज़ा पायें, यह मैं देख नहीं सकता। इसलिए बच्चे, पूरा पुरुषार्थ करो, पास विद् ऑनर बनो, धर्मराज की सज़ा से दूर रहो। इतना बताने पर भी हम उनकी बात नहीं सुनते, उनके कहने की राह पर नहीं चलते तो हमारे जैसा बदनसीब और कौन होगा इस दुनिया में!

वैज्ञानिक कहते हैं ग्रीन हाउस इफेक्ट होगा

वैज्ञानिक लोग कहते हैं कि ग्रीन हाउस इफेक्ट हो जायेगी। ग्रीन हाउस इफेक्ट क्या है? पृथ्वी पर सारा वातावरण घुटन-सा बन जायेगा। हवा सारी खराब हो जायेगी और अच्छी हवा आयेगी नहीं। हवा में मॉइस्चर(नमी), कार्बन डाइऑक्साइड इकट्ठी हो जायेगी। उस हवा में ऑक्सीजन नहीं होगी। तो क्या होगा ऐसी हवा के सेवन से चक्कर आने लगेगा, शक्तिहीनता की महसूसता होने लगेगी, उल्टी होने लगेगी। ऐसा अनुभव होने लगेगा कि दम घुट रहा है, हम मर रहे हैं। यह कैसे होगा? वे कहते हैं कि ओज़ोन पर्दा जो है उसमें सुराख(छेद) हो रहा है और ग्लोबल वार्मिंग हो रहा है। कारखानों से और बस, जीप, कार, ट्रकों से कार्बन डाइऑक्साइड निकल रहा है, उससे ग्रीन हाउस इफेक्ट होगा। वे कहते हैं, ग्रीन हाउस इफेक्ट होने से लोग दम घुट-घुट कर सामूहिक रूप में मर जायेंगे, लाखों लोग मर जायेंगे। वातावरण ऐसा खचा-खच भरा हुआ हो जायेगा जैसेकि किसी को श्वास लेना ही मुश्किल हो। ऐसा होगा जैसे किसी का गला ही दबाया जा रहा हो। यह हो गयी प्रकृति से तन की परीक्षा।

साक्षी भाव व रहम दिल की प्रैक्टिस कर बनें परफेक्ट

समय की समझ रखने वाले जानते हैं कि विश्व में हाहाकार होगी, खूनेनाहक खेल होगा, खून की नदियाँ बहेंगी, बाद में जयजयकार होगी, दूध की नदियाँ बहेंगी। जिन्होंने हिन्दुस्तान और पाकिस्तान का बँटवारा देखा है वे जानते हैं कि हाहाकार क्या होती है और इन्सान कैसे दरिंदे से भी खराब इन्सानों को देखा है। कई हिंसक पशु भी होते हैं लेकिन हमने उनसे भी खराब इन्सानों को देखा है। ऐसा नहीं कि सिर्फ मारते हैं, इंच बाई इंच मारते हैं। इतना जुल्म करते हैं, इसलिए कि यह हिन्दू हैं, इसलिए कि यह मुसलमान हैं, सिर्फ इसलिए कि इसके पास पैसा है, मेरे पास नहीं है, सिर्फ इसलिए कि इससे मेरी दुश्मनी है, दुश्मनी का बदला ले लो। ऐसे दरिंदों को हमने इन आँखों से देखा है, आपको क्या बतायें। सिर्फ गोली मार दी या खून कर दिया- ऐसा नहीं। उसका एक-एक अंग काट रहे हैं, बदन को इंच बाई इंच काट रहे हैं, पहले उसकी आँखें निकालेंगे, बाद में एक हाथ, उसके बाद एक टांग, उसका और एक अंग। इस तरह से सता-सता के मारते हैं। यह सब धर्म के नाम पर हो रहा है। इसलिए बाबा कहते हैं, यही धर्मग्लानि है। उस समय की ऐसी स्थिति में आप योग कर सकेंगे? ऐसे प्राकृतिक प्रकोप होंगे, आप को एक खाने-पीने को कुछ नहीं मिलेगा। ऐसे साम्प्रदायिक दंगे होंगे, आप को एक गली से दूसरी गली में जाना मुश्किल होगा। उस समय क्या आपका मन टिकेगा? परमधाम निवासी उस ज्योतिर्बिन्दु शिव की याद रहेगी? आप घर के अन्दर खिड़की बन्द करके बैठे हुए हैं, बाहर से किसी को मार रहे हैं, आपको आवाज़ सुनाई पड़ रही है, वह चिल्ला रहा है कि बचाओ, बचाओ। आप पहचान भी रहे हैं कि वह किसकी आवाज़ है। उस समय आप क्या कर सकेंगे? उसको बचा सकेंगे? योग में बैठ सकेंगे? साक्षी होकर रह सकेंगे? अगर उस दृश्य को आपने अपनी आँखों से देखा है तो आप खाना खा सकेंगे? चैन से सो सकेंगे? योग लगा सकेंगे? बाबा ने सब विषय चित्र बनाकर बता दिये हैं कि मीठे बच्चे, लाडले बच्चे, आगे ऐसी-ऐसी परिस्थितियाँ आयेंगी, अभी से तैयार रहो। रहमदिल की प्रैक्टिस कर परफेक्ट बनें। साक्षी भाव के अभ्यास को बढ़ायें। आत्म अभिमानी बनते चलें। अशरीरी पन का अभ्यास बहुत ज़्यादा बढ़ायें।